

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---लण्ड 3---जपलण्ड (ii) PART II---Section 3---Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50]

नई विल्ली, सोन्जार, जनवरी 18, 1971/पौष 28, 1892

No. 50]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 18, 1971/PAUSA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह दालग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 18th January 1971

S.O. 361/15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles, manufactured in the industrial undertakings known as Shree Shanmugar Mills Ltd., Rajapalayam (Tamil Nadu), for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

- Dr. S. Krishnamurthy, Head of Textile Department, Alagappa College of Technology, Guindy, Madras. Members
- Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation Ltd.
- Shri V. V. S. Sastry, Jt. Director (Finance), National Textile Corporation Ltd.
- Shri G. V. S. Desikan, Technical Director, Tamil Nadu Textile Corporation Ltd., 46, Theagaraya Road, Madras-17.
- Shri L. D. Venkataraman, Deputy Director of Inspection, Office of the Regional Director, Company Law Board, Madras. Member-Secretary
- Shri M. Padmanabhan, Deputy Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay-20.

[No. F. 9(36)/Lic.Pol./70.]

K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

ग्रौद्योगिक विकास तथा श्रांतरिक व्यापार मंत्रालय (ग्रोद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जनवरी 1971

का आ 361/15/आई०डी आरर ए०/70—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि श्री शानमुगार मिल्स लिमिटेड, राजपलायम '(तासिल नाडु) नामक श्रौद्योगिक उपन्नम् में निर्मित सूती बस्त्रों के संबंध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की संभावना है, जिसके लिए विद्यमान श्राधिक स्थितियों को देखते हुए कोई श्रौचित्य नहीं है।

श्रतः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रृष्ट्रिवितयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किन्द्रीय स्मरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतव्द्वारा नियुक्ति करती है :---

া. তা০ एस० क्रुष्णामूर्ति, मुख्य श्रधिकारी, वस्त्र विभाग, प्रलागाप्प	π
कालिज श्राफ टेक्नोलोजी, गिन्डी, मद्रास ।	ग्रध्यक्ष
 श्री एम० जी० मीरचन्दानी, निवेशक (तकनीकी), राष्ट्रीय वस्त्र 	
निगम लिमिटेड ।	सदस्य
3. श्री बी॰ बी॰ एस॰ शास्त्री, संयुक्त निदेशक (वित्त), राष्ट्रीय	
वस्त्र निगम लिमिटेड ।	सदस्य
4. श्री जी० बी० एस० देसीकान, तकनीकी निदेशक, तामिल नाडु	
वस्त्र निगम लिमिटेड, 46, थियागरया रोड, मद्रास17।	सदस्य
5. श्री एल० डी० वैन्काटारमण, उप निदेशक निरीक्षण, क्षेत्रीय	
निदेशक का कार्यालय, कंपनी ला बोर्ड, मद्रास ।	सदस्य
6. श्री एम० पदमानाभन, उपनिदेशक, वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय,	
वस्वई—20।	सदस्य-सचिव

[सं० फा० 9(36) **शि**क० पोल०/70] के० डी० एन० सिंह, संयुक्त स**िव**।